मासिक समाचार पत्र

RNI - MPHIN/2020/83379

आधार जायसवाल, इंदौर
15/02/2016

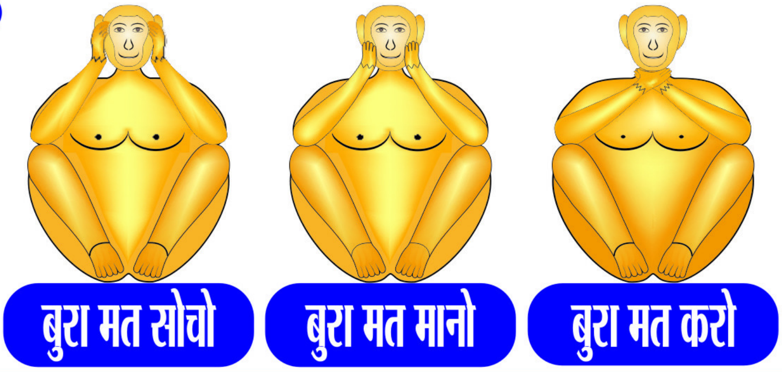

कार्ड शिवहरे,जबलपुर
02/02/2015

प्रधान संपादक : आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल द्वारा बंदरों की परिकल्पना 16 मई 2010 (जनहित में जारी)

वर्ष -4 अंक-6 इन्दौर, 15 अगस्त 2023 पृष्ठ - 8 मूल्य 1 रुपये

सुविचारः हर प्रयास गलतियों की शुरुवात से प्रारंभ होता है:- आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल

Aadhaarcardkejanaksuniljaiswal@gmail.com

'घर परिवार और अपनो को मुझे बचाना है मुझे आज ही वैक्सीन लगवाना है'

आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल के धर्म पिता स्व. श्री जगन्नाथजी भारूका के परम मित्र स्व. श्री दिनानाथजी भार्गव।

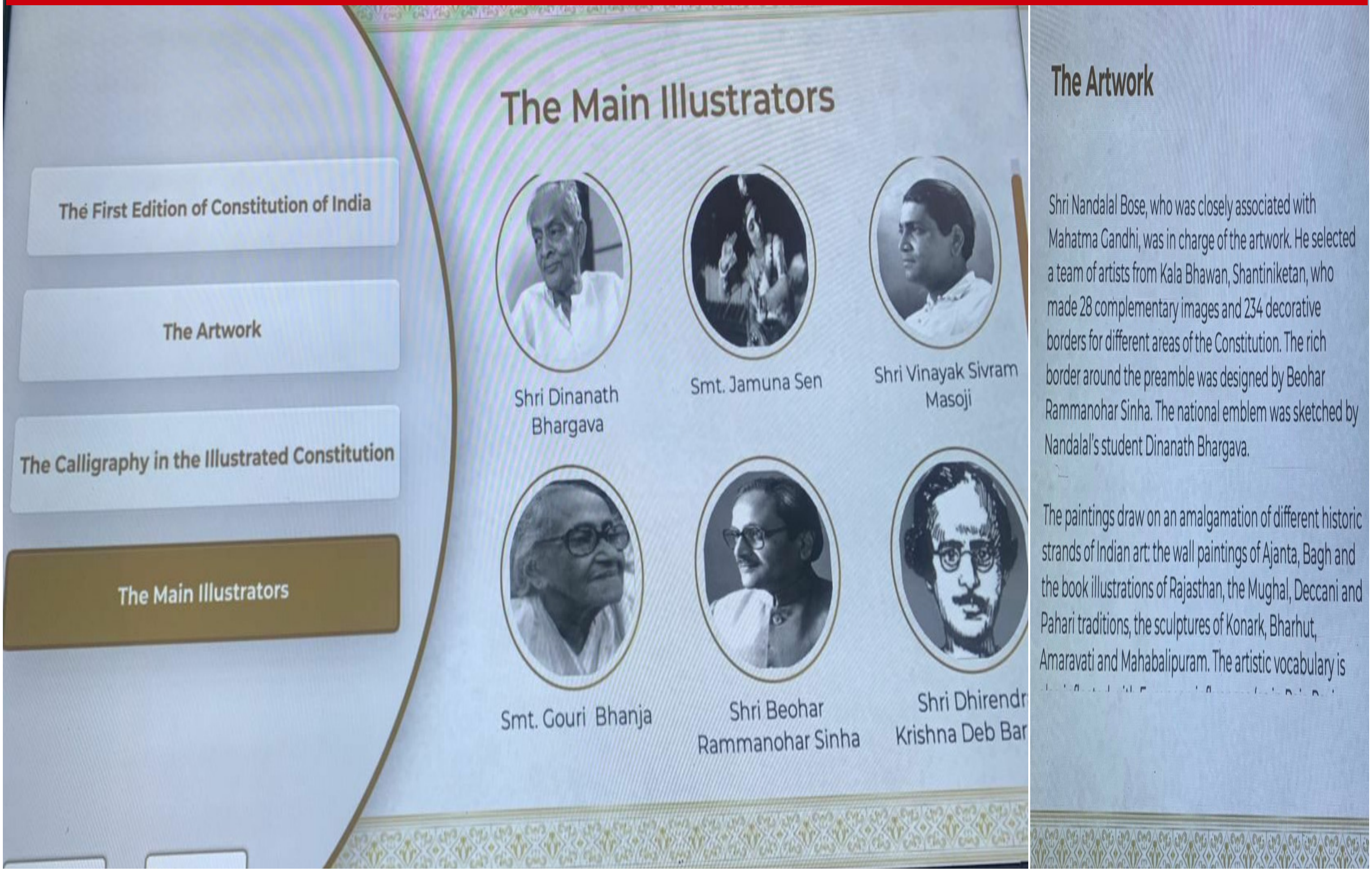

सुप्रसिद्ध चित्रकार श्री दीना नाथ जी भार्गव
(जन्म 1-11-1927 एवं मृत्यु 24-12-2016)

सुप्रसिद्ध चित्रकार श्री दीना नाथ भार्गव का जन्म मुल्ताई, जिला बैतूल के जमींदार परिवार में हुआ। आपकी आरम्भिक शिक्षा शांति निकेतन से तथा कला 'फाईन आर्ट्स' में मास्टर्स किया और मैनचेस्टर इंग्लैंड से टेक्सटाइल में मास्टर्स की डिग्री हासिल की।

श्री दीना नाथ भार्गव

आपने मुख्य रूप से भारत के राष्ट्रीय चिन्ह (Emblem) तीन शेरों की प्रतिकृति को तैयार किया। साथ ही भारत के संविधान के प्रारम्भिक लगभग 40/50 पन्नों पर डिजाइन कर सजाने का कार्य विख्यात चित्रकार श्री नन्दलाल बोस के सरंक्षण में प्रमुखता से कार्य किया।

भारतीय संस्कृति और कला के क्षेत्र में अनेकों महत्वपूर्ण कार्य उनके द्वारा किए गए, जिसमें प्रमुख कार्य:

1. हस्त करघा में डबल डेकर लूम बनाया।
2. प्रिंटिंग के लिए राउंड टेबल बनाई।
3. एक्रेलिक ब्लॉक बनाए, जो प्रिंटिंग कार्य के उपयोग में लाये जाते हैं।
4. बातिक डिजाइन को इन्वेंट किया।
5. वॉश पेंटिंग को भारत में इन्वेंट किया।
6. मधुबनी चित्रकारी को भी इन्वेंट किया।
7. चंदेरी और महेश्वर साड़ी को डेवलप किया।
8. वेजिटेबल डाइस पर किताब लिखी, जिसका डिमोस्ट्रेशन जर्मनी में जर्मन सरकार ने करवाया था।

श्री दीना नाथ भार्गव जी ने भारत के संविधान को तैयार करने वाले बाबा साहब अम्बेडकर जी के साथ

अपना सहयोग दिया और राष्ट्रीय चिन्ह रूप में तीन शेरों की प्रतिकृति को तैयार कर उसे संविधान पर अंकित किया। संविधान के निर्माण की जिम्मेदारी शांति निकेतन को दी गई थी।

शांति निकेतन के कला गुरु श्री नन्द लाल बोस द्वारा इस राष्ट्रीय चिन्ह और संविधान के प्रारम्भ 40/50 पन्नों पर चित्रण करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी श्री दीना नाथ भार्गव जी को सौंपी गई थी। इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को बखूबी पूरा करने के लिए श्री भार्गव जी ने कई बार कोलकाता चिड़ियाघर में जाकर वहाँ शेरों को उनकी गतिविधियों को नजदीक से देखा, तब कहीं यह राष्ट्रीय चिन्ह तैयार कर पाए।

पेंटिंग के दौरान किसी तरह की कमी न रह जाए इसका पूरा ध्यान रखकर इस चित्रकारी को भार्गव जी ने सोने की बर्क सियाही से बनाया था। बताते हैं जो मुख्य पृष्ठ तैयार हुआ था, उस कलाकृति पर ब्रश गिर गया था, जिस वजह से उसे दोबारा बनाना पड़ा और जिस पृष्ठ पर ब्रश गिरा था। वह कलाकृति आज भी परिवार के पास मौजूद है।

भार्गव पत्रिका] (22) [सितम्बर, 2022

भारतीय संस्कृति और कला के क्षेत्र में किए गए महत्वपूर्ण कार्य: श्री दीना नाथ भार्गव जी ने शांति निकेतन से कला क्षेत्र (फाइन आर्टस) में मास्टर्स की डिग्री हासिल की एवं मैनचेस्टर से टेक्सटाइल इंजीनियरिंग में डिग्री हासिल की, जिसके बाद उन्होंने हस्त करघा में डबल डेकर लूम बनाया, जिसकी वजह से कपड़े का उत्पादन क्षमता दो गुनी हो गई। इसी प्रकार प्रिंटिंग के लिए राउंड टेबल बनाई गई जिसके कारण कार्य जल्दी और कार्य की गुणवत्ता बढ़ गई। इसी प्रकार प्रिंटिंग कार्य मे काम आने वाले एक्रेलिक ब्लाक का निर्माण किया, जिस वजह से ब्लॉक बनाने की लागत कम हुई और बनाने का समय बचा। बातिक डिजाइन और डिप एन डाई, वॉश पेंटिग, मधुबनी आर्ट जैसी कला को इन्वेंट किया।

चंदेरी साड़ी को विकसित करने का कार्य ग्वालियर महाराज श्री माधव राव सिंधिया जी के कहने पर उनकी मदद से विकसित किया। इसी प्रकार महेश्वर साड़ी को होलकर महराज के पोते प्रिंस रिचेड के कहने पर साड़ी और उनके डिजाइनों को विकसित किया। बनारस की प्रसिद्ध बनारसी साड़ी के अनेक डिजाइन भी भार्गव जी द्वारा विकसित किए गए, जो आज भी उनके नाम से भार्गव डिजाइन के नाम से प्रचलित हैं।

भार्गव जी की डिजाइन की गई साडियों को देश-विदेश की अनेक हस्तियों ने पहना। इंग्लैंड की महारानी एलिजाबेथ जब भारत आई थीं, उन्हें भी भार्गव जी द्वारा डिजाइन की गई साड़ी भारत सरकार द्वारा भेंट की गई थी। उस समय की प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी जी ने भी श्री दीना नाथ जी द्वारा डिजाइन करी साड़ी पहनी।

भार्गव जी द्वारा वेजिटेबल डाइस पर एक किताब भी लिखी गई थी, जिसका डिमोस्ट्रेशन जर्मनी में जर्मन सरकार द्वारा करवाया गया था। ऐसे बहुमुखी प्रतिभा के धनी भार्गव जी ने भारतीय संस्कृति और उसकी कला को देश ही नहीं बल्कि विदेशों तक पहुँचाने का महत्वपूर्ण कार्य किया।

— सौमित्र भार्गव, 8 आनंद नगर, चितावद रोड, इन्दौर, मो.: 9827614946

I HAVE RIGHTFUL CLAIM OF THIS IMAGINATION OF "AADHAAR-CARD"

Unique Identification (U.I.D.) issued by Government of India which is being provided to each Indian citizen for identification. Three monkeys children of Mahatma Gandhi, Symbol of Sahastrarjun discendents by founder of this concept Shree Sunil Jaiswal Mob. : 98272-22811

WHAT AN IDEA SIR JI

Sunil Father Late Shri Santosh Kumar Pyarelalji Jaiswal Daru Wala
Birth Palace Bhandari Prasuti Grah, Bhandari Meel Chouraha, Indore
Birth Niwas 25, Kachchhi Mohalla, Indore

RESEARCH LETTER GRAB THE MAN INTO FIST, DREAM WHICH CAN CHANGE THE IMAGE OF COUNTRY, NOW THE EACH PERSON WILL BE INDENTIFIED BY NUMBER.

आधारायण–ग्रंथ के पेज नं. 38–39 का शेष भाग

प्रतिक चिन्ह तीन शेर मेरे बाप के

छोटी बहन रुचिता (भारूका) श्री सुबोधजी सांघी, हैदराबाद

चित्र– स्व. दीनानाथ भार्गव जी के घर आनंद नगर, चितावत, इन्दौर का
पिता तुल्य स्व. दीनानाथजी की धर्म पत्नी माँ तुल्य श्रीमती प्रभा भार्गव जी को
अपनी 'आधारायण–ग्रंथ' भेंट करते हुए
साथ है भाई मोहित भारूका (अग्रवाल)

जिस भारूका परिवार में, मैं पला–बढ़ा और जहां से मुझे संस्कार मिले ऐसे मेरे संस्कारिक माता–पिता स्व. मीरा देवी जगन्नाथ जी भारूका जिनके परम मित्र स्व. दीनानाथजी भार्गव का सानिध्य भी मुझे प्राप्त हुआ है। जिन्होंने भारत सरकार के संविधान का प्रतिक चिन्ह तीन शेर की रचना की है। मोहित अशोक भारूका एवं भार्गव परिवार के साथ बिताए गए कुछ पलों की झलकियां। साथ में अपनी परम पुज्य दीदी ममता (भारूका) जीजाजी मधुसुदन जी अग्रवाल अजन्ता फार्मा. लि. मुम्बई युगान्डा देश के राजदूत एवं भारूका परिवार को अपनी ''आधारायण ग्रन्थ'' भेंट करते हुए।

DB Star EXCLUSIVE -नए संसद भवन पर स्थापित अशोक स्तंभ के शेरों पर देशभर में बहस; उन्हीं शेरों का इंदौर से भी नाता, क्योंकि...

इंदौर के दीनानाथ एक महीने तक कोलकाता जू में शेरों के सामने बैठे रहते थे, उन्हें देखकर संविधान के पहले पन्ने पर उकेर दिए अशोक स्तंभ के शेर

इंदौर | DB Star

नए संसद भवन की छत पर स्थापित किए गए राष्ट्रीय प्रतीक चिह्न अशोक स्तंभ को लेकर सरकार और विपक्ष में विवाद छिड़ा हुआ है। विपक्ष का आरोप है नए अशोक स्तंभ की डिजाइन गलत है। इस स्तंभ में बने शेर आक्रामक मुद्रा में नजर आते हैं, जबकि वास्तविक स्तंभ के शेर शांत मुद्रा में हैं। बहरहाल, विवाद जो भी हो, लेकिन इन शेरों का इंदौर से गहरा नाता है।

दीनानाथ भार्गव

वह यूं कि, इंदौर के कलाकार दीनानाथ भार्गव ने ही राष्ट्रीय चिह्न के तौर पर शेरों की आकृति वाले अशोक स्तंभ को संविधान के पहले पन्ने पर उकेरा था। शेर की यह खुले मुंह वाली आकृति बनाने के लिए दीनानाथ ने 30 दिन तक कोलकाता के चिड़ियाघर में शेरों के हाव-भाव का अध्ययन कर यह पेज डिजाइन किया था।

केंद्र सरकार ने 26 जनवरी 1950 को अशोक स्तंभ को राष्ट्रीय चिह्न के तौर पर अपनाया और संविधान के पहले पेज पर स्थान दिया। भारतीय संविधान के चित्रीकरण और इसे लिखने के लिए केंद्र सरकार ने शांति निकेतन कोलकाता के तत्कालीन प्राचार्य नंदलाल बोस (नंद बाबू) को

पुत्र और पत्नी का दर्द- दीनानाथ जी को इस काम के लिए इतिहास में कभी जगह नहीं दी गई

▪ ब्रश गिरने से खराब हुआ पृष्ठ दीनानाथ की पत्नी प्रभा और बेटे सौमित्र ने आज भी संभालकर रखा हुआ है।

पत्र भेजा था। बोस ने 14-15 लोगों की टीम बनाई थी, जिसमें उनके परिवार के सदस्य थे। बाहरी लोगों में इंदौर के दीनानाथ भी थे। प्रथम पृष्ठ पर सुनहरे रंग से बने हुए तीन शेर और अंदर के पृष्ठों पर बॉर्डर डिजाइन का चित्रीकरण उन्होंने ही किया था। इसके लिए वो रोज सुबह शांति निकेतन से चिड़ियाघर जाकर शेरों के हावभाव का अध्ययन करते और दिनभर वहीं बैठकर स्केच बनाते। शेरों के देखने और स्केच बनाने का यह सिलसिला महीनेभर चला। तब कहीं जाकर कवर पेज की फाइनल ड्राइंग बनी। इस फाइनल ड्राइंग में तीनों शेरों के मुंह खुले हुए थे। उनके दांत दिख रहे थे और जीभ हल्की बाहर निकली हुई थी।

ड्राइंग पेज के लिए सरकार ने इंग्लैंड से मंगवाया था पार्चमेंट पेपर

▪ जिस पेज पर यह ड्राइंग तैयार की गई थी, वो पार्चमैंट पेपर सरकार ने इंग्लैंड से मंगवाकर शांति निकेतन पहुंचाया था। पार्चमैंट पेपर चमड़े का होता है, जो कभी खराब नहीं होता। दीनानाथ ने पार्चमैंट पेपर पर एक ही रात में अशोक स्तंभ की ड्राइंग बना ली, लेकिन दिल्ली से आए सोने के वर्क से कलर बनाकर ड्राइंग में भरने में उन्हें सप्ताहभर लग गया।

▪ कवर पेज पर ब्लैक इंक से आउट लाइनिंग की गई, लेकिन फाइनल ड्राइंग के ऊपरी हिस्से में ब्रश गिरने का निशान देख नंद बाबू ने इसे रिजेक्ट कर दिया। फिर दीनानाथ ने एक ही रात में दूसरी ड्राइंग बनाई और कलर भी कर दिया। यही ड्राइंग संविधान में जुड़ी और दिल्ली चली गई। इसे संविधान के कवर पृष्ठ के तौर पर इस्तेमाल किया गया है। वहीं, ब्रश गिरने से खराब हुआ पृष्ठ नंद बाबू ने दीनानाथ को दे दिया था।

▪ दीनानाथ की पत्नी प्रभा और बेटे सोमित्र ने इसे आज भी संभालकर रखा हुआ है। प्रभा बताती हैं कि संविधान के लिए उनके पति द्वारा किए गए इस काम के लिए उन्हें इतिहास में कहीं भी नाम नहीं दिया गया। बेटे सौमित्र ने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और लोकसभा स्पीकर को पत्र लिखे, लेकिन हुआ कुछ नहीं। दीनानाथ आखिरी दम तक इन लोगों से मिलने की आस लगाए हुए स्वर्ग सिधार गए।

शांति निकेतन के छात्रों को 15-15 हजार रुपए मिले थे मेहनताने के

▪ दीनानाथ की जिस फाइनल डिजाइन को राष्ट्रीय चिह्न के तौर पर अपनाया गया था, उसमें तीन शेर दिखाई देते हैं। पट्टी के मध्य में उभरी नक्काशी में चक्र है, जिसकी दायीं तरफ सांड़ और बायीं तरफ घोड़ा है। दाएं और बाएं छोरों पर अन्य चक्रों के किनारे हैं। नीचे मुण्डकोपनिषद का सूत्र 'सत्यमेव जयते' देवनागरी लिपि में अंकित है।

▪ दीनानाथ के परिजनों का कहना है कि कवर पेज की ड्राइंग पर अपना नाम लिखने के बारे में दीनानाथ ने प्राचार्य बोस से पूछा तो उन्होंने मना कर दिया था। इस ऐतिहासिक काम के लिए शांति निकेतन के सभी छात्रों को उस समय 15-15 हजार रुपए पारिश्रमिक दिया गया था। केंद्र सरकार द्वारा शांति निकेतन में जो पैसा संविधान के पृष्ठों के अलंकरण के लिए भेजा गया था, वह अथॉरिटी लैटर के माध्यम से दीनानाथ ने उन्हें उपलब्ध करवा दिया।

▪ नंद बाबू की मृत्यु के आसपास ही उनके परिवार के लोगों ने संविधान के पृष्ठों पर अलंकरण करने वाली टीम के लोगों के हस्ताक्षर करना शुरू कर दिया, जबकि टीम में शामिल बाहरी सात-आठ लोगों को भुला दिया गया। 24 दिसंबर 2016 को 90 वर्ष की उम्र में दीनानाथ इंदौर में पंचतत्व में विलीन हो गए हैं। मृत्यु से पहले तक भी वे तत्कालीन लोकसभा अध्यक्ष से मिलने का प्रयत्न करते रहे। राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को भी उन्होंने पत्र लिखे। फिर भी उनके इस महान काम के लिए उन्हें कभी नाम नहीं मिल पाया।

Mother I Will Become Stone

FOUNDER OF AADHAAR CARD · SUNIL JAISWAL · AADHAR PREPARE · AADHAAR BECOME · AADHAAR GET

Indore Sunil Jaiswal Founder, Inventor of Aadhaar Card, Birth Date 29.09.1962, The President Secretariat took in to cognizance on 29.09.2005, our "Research - Letter" "Grab in to fist every person" is now applicable date 29.09.2010 to whole India in the name of "Aadhaar-Card" by the Govt. of India. 0001

Good Thinking : Every effort starts from the begning of mistake : Founder of "Aadhaar Card" Sunil jaiswal

You Tube Address:- Sunil Jaiswal AADHAAR Founder, Inventor & Father of UIDAICONCEPTS & THREE SONS OF GANDHIJI WISE MONKEYS

भारत सरकार द्वारा जारी आधार कार्ड के जनक 100 बिलियन + जिनियस सुनील जायसवाल

व समस्त जायसवाल, शिवहरे, राय एवं कल्चूरी, कलाल, कलवार, कलार समाज द्वारा समस्त प्रियजनों को हृदय की गहराइयों से हार्दिक बधाईयां एवं शुभकामनाएं...

" करता सब के कल्याण का है काम, यही आधार कार्ड का है काम"

भारत सरकार द्वारा जारी आधार कार्ड के जनक 100 बिलियन + जिनियस सुनील जायसवाल

व समस्त जायसवाल, शिवहरे, राय एवं कल्चूरी, कलाल, कलवार, कलार समाज द्वारा समस्त प्रियजनों को हृदय की गहराइयों से हार्दिक बधाईयां एवं शुभकामनाएं...

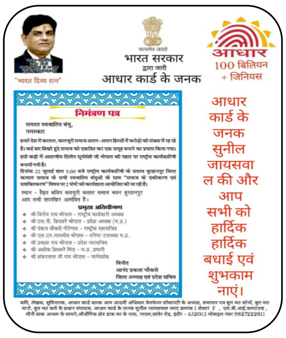

" करता सब के कल्याण का है काम, यही आधार कार्ड का है काम"

इस पेज का शेष भाग पेज नं. 1090 पर है।

दैनिक भास्कर इंदौर • 26.01.2016

DB स्टार

हमारा संविधान • शांति निकेतन के छात्र और इंदौर के दीनानाथ भार्गव ने बनाई थी कवर की ड्राइंग

रातभर में तैयार हुआ था संविधान का कवर

देश के संविधान के कवर पर अशोक स्तंभ की ड्राइंग इंदौर के कलाकार दीनानाथ भार्गव ने बनाई है। तब वे शांति निकेतन के छात्र थे। कई दिनों की मेहनत के बाद बनी ड्राइंग में खामी देख उन्होंने रातभर में दूसरी ड्राइंग बनाई और रंग भी भर दिया। यही ड्राइंग बाद में देश का राष्ट्रीय चिह्न बन गई।

अविनाश रावत » इंदौर

भारत सरकार ने 26 जनवरी 1950 को जिस चिह्न को राष्ट्रीय चिह्न के तौर पर अपनाया वह इंदौर के कलाकार दीनानाथ भार्गव ने बनाया है। आजादी के बाद प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू ने शांति निकेतन के तत्कालीन प्राचार्य नंदलाल बोस को देश का संविधान सजाने के लिए कहा था। प्राचार्य बोस ने यह जिम्मेदारी चुनिंदा पांच-छह छात्रों को सौंपी थी, जिनमें इंदौर के दीनानाथ भार्गव भी शामिल थे। • शेष पेज 2 पर

पहली ड्राइंग संभाली

ब्रश के निशान के कारण रद्द पहली ड्राइंग दीनानाथ अपने साथ ले आए, जिसे उन्होंने फ्रेम कर रखा है। कॅरियर की 200 से ज्यादा पेंटिंग्स में यही ऐसा मास्टरपीस है, जिसने उनका नाम इतिहास में दर्ज करा दिया है।

महीनेभर अध्ययन

प्राचार्य बोस ने संविधान के कवर पेज पर अशोक स्तंभ की डिजाइन बनाने का काम दीनानाथ को सौंपा था। दीनानाथ रोज सुबह कलकत्ता के चिड़ियाघर में जाकर शेरों के हाव-भाव का अध्ययन करते और दिनभर वहीं बैठकर स्केच बनाते। यह सिलसिला महीनेभर चला। तब कहीं जाकर कवर पेज की फाइनल ड्राइंग बनी।

40 साल बाद दोबारा देखा

2007 में ललित कला अकादमी के हॉल नंबर 8 में दीनानाथ भार्गव की एक्जीबिशन लगी थी। तभी उन्होंने अपने बारे में बताते हुए संविधान देखने का आवेदन दिया था। इसके बाद उन्हें अपना काम दूसरी बार देखने को मिला।

भारत सरकार का प्रतीक चिन्ह तीन शेरों को मेरे गुरू पिता स्व. जगन्नाथजी भारूका के परम मित्र स्व. श्री दीनानाथ जी भार्गव इन्दौर द्वारा बनाया गया था।

The story of three Lions - Symbolic logo of Government of India, is made by Late shri Dinanath ji Bhargav of Indore -fast friend of my guru father late shri Jagannath ji Bharuka

LATE SHREE DEENANATH JI BHARGAV

स्व. श्रीमती मीरा-जगन्नाथ भारूका, इन्दौर

Late Smt. Meera-Jagannath Bharuka, Indore

* * * * * * * * * * * * * * * *

भारूका फेमिली – मोहित, ममता, नवनीत, सत्यनारायण, अशोक, बापूजी जगन्नाथजी, रूचिता, मम्मी मीराजी, अलोक भारूका, सुनील जायसवाल सन् १९६८

Bharuka Family - Mohit, Mamta, Navneet, Satyanarayan, Ashok, Bapuji Jagannathji, Ruchita, Mammi Meeraji, Alok Bharuka, Sunil Jaiswal Year 1968

ता. 12/12/2017 मुम्बई में सुनील जायसवाल, युगन्डा महादीप राजदूत मधुसुदन अग्रवाल, आशीष शिवहरे, कार्ड शिवहरे, मौसमी (जायसवाल) शिवहरे माया जायसवाल, ममता (भारूका) अग्रवाल,

Dt. 12/12/2017 at MUMBAI
Sunil Jaiswal, Yuganda Mahadeep Rajdoot Madhusudan Agrawal, Ashish Shivhare, Card Shivhare, Mausami (Jaiswal) Shivhare, Maya Jaiswal, Mamata (Bharuka) Agrawal,

भारत सरकार द्वारा जारी आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल

व आधार जायसवाल, कार्ड शिवहरे एवं समस्त सहस्त्रार्जुन वंशजों की ओर से समस्त "आधार-कार्ड" धारकों को बधाई एवं शुभकामनाएं 39

भारत सरकार द्वारा जारी आधार कार्ड के जनक 100 बिलियन + जिनियस सुनील जायसवाल

मौसमी स्टेन लैस स्टील, मासूम जायसवाल. ए.के. शर्मा जी बर्तन बाजार, इंदौर व समस्त जायसवाल, शिवहरे, राय एवं कल्चूरी, कलाल, कलवार, कलार समाज द्वारा समस्त प्रिय दिवंगत मित्रों व स्वजनों को दिल की गहराइयों से विनम्र श्रृद्धांजलि...

" करता सब के कल्याण का है काम, यही आधार कार्ड का है काम "

सोशल मिडिया पर प्रतिदिन प्रसारित

9827222811 https://youtu.be/xurY3eQlrSI https://youtu.be/0XQf02Ub6fk
E-mail - aadhaarcardkejanaksuniljaiswal@gmail.com
http://www.aadhaarcardkejanaksuniljaiswalindore.com

सुविचार

सत्यमेव जयते
भारत सरकार
द्वारा जारी
आधार कार्ड के जनक
सुनील जायसवाल
100 बिलियन+ जिनियस
लेखक–सुविचारक

I have to save house family and ours want it to get vaccination today itself.

II घर परिवार और अपनों को मुझे बचाना है, मुझे आज ही वैक्सीन लगवाना है II

आधार कार्ड दस साल पुराना है तो करा लें अपडेट

नैनीताल। यदि आपका आधार कार्ड दस साल पुराना हो गया है उसे अपडेट करा लें। इसके लिए जिला प्रशासन की ओर से अलग अलग स्थानों पर विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। ऐसा न होने पर आप केंद्र और राज्य सरकार की ओर से चलाई जाने वाली जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने से वंचित भी रह सकते हैं।

जिलाधिकारी वंदना सिंह ने बताया कि जिले में संचालित आधार पंजीकरण केंद्रों के अलावा सभी ग्राम पंचायतों एवं वार्डों में स्थित जन सेवा केंद्रों के माध्यम से शिविर लगाकर दस साल पुराने आधार कार्ड को अपडेट किया जाना है। उन्होंने बताया कि जिले में तहसील, ब्लॉक कार्यालय, बैंक, पोस्ट ऑफिस आदि स्थानों पर 96 आधार केंद्र काम कर रहे हैं। 720 जन सेवा केंद्र ग्राम पंचायतों एवं वार्ड में संचालित हैं। बताया कि आधार कार्ड केंद्र एवं जन सेवा केंद्र की सूचना nainital.gov.in के डिस्ट्रिक्ट पोर्टल पर भी देखी जा सकती है।

उन्होंने बताया कि यदि कोई व्यक्ति इन केंद्रों तक नहीं पहुंच सकता है तो वह घर बैठे ही https://myaadhaar.uidai.gov.in पोर्टल पर अपना आधार कार्ड अपडेट कर सकता है। इसके लिए संबंधित व्यक्ति को केवल 25 रुपये ऑनलाइन शुल्क जमा कराना होगा। आधार पंजीकरण केंद्र अथवा जनसेवा केंद्रों में आधार अपडेट कराने का शुल्क 50 रुपये है।

आधार व माबोइल नंबर अपडेट नहीं तो पेंशन मिलने में हो जाएगी समस्या

धनबाद। ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार के आदेश के बाद उपायुक्त ने शुक्रवार (11 अगस्त) को पत्र जारी कर कहा है कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं में एनएसएपी-पीपीएस पोर्टल में मोबाइल नंबर 31 अगस्त तक अपडेट करना अनिवार्य है। अगर ऐसा नहीं हुआ तो सितंबर में पेंशन भुगतान में दिक्कत आ जाएगी।

इसके लिए जिले के हर प्रखंड से पेंशनरों की सूची तलब की गई है। ताकि नए आवेदन का भी सत्यापन कर उसका भुगतान किया जा सके।

गोविंदपुर, धनबाद, बाघमारा, निरसा, ग्यारकुंड, पूर्वी टुंडी, टुंडी सहित सभी प्रखंडों को इस पर तुरंत काम करने के लिए कहा गया है। साथ ही इसमें सामाजिक कल्याण विभाग की टीम को प्रखंड स्तर पर निरीक्षण करने के लिए भी कहा गया है।

तीन महीने बाद किया गया पेंशन का भुगतान

सामाजिक सुरक्षा के तहत सरकार से मिलने वाली विभिन्न योजना के तहत दिव्यांग, विधवा व वृद्ध को पेंशन का भुगतान मिलता है। जिले के 88099 पेंशनरों में सबसे अधिक वृद्ध पेंशन की राशि है। पेंशनरों के खाते में अगस्त के प्रथम सप्ताह में तीन माह बाद राशि भुगतान की गई।

सामाजिक कल्याण विभाग की ओर से एक हजार रुपये प्रतिमाह पेंशन का भुगतान किया जाता है। इस मद में करीब 25 करोड़ राशि का भुगतान आया है।

3584 दिव्यांग को मिलता है पेंशन

सामाजिक कोषांग की ओर से जिले के 3584 दिव्यांग लोगों को पेंशन का भुगतान किया जाता है। साथ ही पांच सौ से अधिक पेंशन का आवेदन लंबित पड़ा है। आवेदन का सत्यापन का काम भी विभिन्न प्रखंडों में लंबित पड़ा है।

सामाजिक कल्याण विभाग की ओर से उनका सत्यापन कर जल्द लंबित मामलों को निपटारा करने के लिए कहा गया है। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्ध पेंशन के जिले में 63190 वृद्ध पेंशनरों की संख्या है। इसमें 80 साल से अधिक उम्र की महिलाएं अधिक है।

एक ही आधार कार्ड पर चल रहे थे 658 सिम कार्ड

नईदिल्ली। पुलिस ने एक ऐसे फ्रॉड का भंडाफोड़ किया है जिसमें आधार कार्ड का गलत इस्तेमाल हो रहा था। पुलिस के मुताबिक एक ही आधार कार्ड पर 658 सिम कार्ड जारी किए गए थे और ये सभी सिम कार्ड का इस्तेमाल किया जा रहा था।

एक अन्य मामले में साइबर क्राइम विंग ने पाया कि एक व्यक्ति के पास एक ही आधार नंबर पर 100-150 मोबाइल कनेक्शन थे। पिछले चार महीनों में तमिलनाडु की साइबर क्राइम विंग ने धोखाधड़ी गतिविधियों के संदेह में पूरे तमिलनाडु में 25,135 सिम कार्ड ब्लॉक कर दिए हैं।

विजयवाड़ा में एक अन्य मामले में एक ही फोटो पहचान के साथ 658 सिम कार्ड जारी किए गए थे। सभी सिम कार्ड पोलुकोंडा नवीन के नाम पर पंजीकृत थे, जो मोबाइल दुकानों और अन्य कियोस्क पर सिम वितरित करता है जहां कोई भी सिम कार्ड खरीद सकता है। पुलिस ने सभी सिम को ब्लॉक करने के लिए संबंधित टेलीकॉम कंपनी को आदेश दिया है।

यहां बड़ा सवाल यह पैदा हो रहा है कि कहीं आपके आधार कार्ड पर भी तो कोई दूसरा व्यक्ति सिम कार्ड का इस्तेमाल नहीं कर रहा है। इसे पता करना बहुत ही आसान है और घर बैठे अपने मोबाइल से भी यह जानकारी हासिल कर सकते हैं।

आधार कार्ड बनवाने के लिए भटक रहे लोग

बहराइच/विशेश्वरगंज/हुजूरपुर। आधार कार्ड बनाने व अपडेट करवाने वालों की संख्या लाखों में है, लेकिन इसे बनाने वाले केन्द्रों की संख्या सीमित है। जिसके चलते जिले में आधार कार्ड की समस्या बढ़ती जा रही है। नेटवर्क की खराबी समस्या को और बढ़ा रही है। सबसे ज्यादा परेशानी छोटे बच्चों को हो रही है।

विशेश्वरगंज विकासखंड में बीआरसी में पांच से 14 वर्ष के परिषदीय विद्यालयों में पढ़ रहे बच्चों का आधार कार्ड बनाया जा रहा है। आधार कार्ड बनाने की गति बहुत कम है। जिसके चलते बीआरसी पर प्रतिदिन भीड़ लग रही है। आलम यह है कि बीआरसी पर बीते दो महीनों में मात्र 518 बच्चों का ही आधार कार्ड बन पाया है। क्षेत्र के 3018 बच्चों का आधार कार्ड बनाया जाना है। कच्छप गति से चल रहे आधार कार्ड निर्माण का कारण जिम्मेदार नेटवर्क व बिजली कटौती को बता रहे हैं।

बीआरसी पर आधार कार्ड बना रहे आनंद कुमार व विवेक कुमार सिंह ने बताया कि अक्सर नेटवर्क गायब रहता है। ग्रामीण क्षेत्र होने के चलते बिजली कटौती भी खूब होती है। उन्होंने बताया कि अभी 2500 बच्चों के आधार कार्ड बनना शेष है। ऐसा ही आलम हुजूरपुर विकासखंड में भी दिखा। जहां आधार कार्ड के अभाव में 1000 से अधिक बच्चों की डीबीटी अटकी है। अभिभावकों द्वारा आधार के अभाव में शिक्षकों द्वारा विद्यालय से नाम काटने की धमकी मिलने की शिकायत की गई। इण्डियन बैंक शाखा, आर्यावर्त बैंक व डाकघर में कार्ड बनाया जा रहा है। डाकघर में मशीन की खराबी के चलते आधार बनाने की प्रक्रिया ठप रही।

पुराने आधार कार्ड की फोटो मिलान नहीं होने पर रुक सकती है छात्रवृत्ति

कौशांबी। छात्रवृत्ति योजना के लिए इस बार से आधार कार्ड अनिवार्य कर दिया गया है। ऐसे में यदि छात्रों के पहले से बने आधार कार्ड में पुरानी फोटो लगी है या फिर उसमें कोई गलती है तो छात्रवृत्ति रोकी जा सकती है। शासन ने पुराने आधार कार्ड को अपडेट कराने व नए फोटो के साथ जारी कराना अनिवार्य कर दिया है। इसके बाद ही छात्रों को छात्रवृत्ति मिल सकेगी। जिला समाज कल्याण अधिकारी दिलीप कुमार ने बताया है कि इस बार छात्रवृत्ति योजना में छात्रों के आधार नंबर अनिवार्य कर दिए गए हैं। ऑनलाइन आवेदन पत्र में छात्रों द्वारा भरे गए आधार नंबर का सत्यापन होने के बाद ही वह अग्रसारित होगा। बताया कि छात्रों के हाईस्कूल अंकपत्र में दिए गए नाम, पिता का नाम एवं जन्मतिथि के आधार पर आधार कार्ड बनवाना आवश्यक है। यदि किसी छात्र का आधार कार्ड बन गया है और उसमें त्रुटि है तो उसे हाईस्कूल के अंक पत्र में दिए गए डाटा के आधार पर कार्ड को अपडेट कराना होगा।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुनील जायसवाल द्वारा पकंज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ, इंडस्ट्रियल एरिया, इंदौर (मप्र) से मुद्रित एवं 35 शंकरबाग कालोनी, मरीमाता चौराहा, इंदौर,-452006 से प्रकाशित प्रबंध संपादक : आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल , मोबाइल नं. 9827222811 (समस्त प्रकरणों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)